Strictly Confidential : (For Internal and Restricted Use Only)

HB - 2069

Secondary School Examination

SUMMATIVE ASSESSMENT – II, 2012

MARKING SCHEME

HINDI - B

Class – X

General Instructions :

1. The Marking Scheme provides general guidelines to reduce subjectivity and maintain uniformity. The answers given in the marking scheme are the best suggested answers.
2. Marking be done as per the instructions provided in the marking scheme. (It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration). Marking Scheme be strictly adhered to and religiously followed.
3. Alternative methods be accepted. Proportional marks be awarded.
4. If a question is attempted twice and the candidate has not crossed any answer, only first attempt be evaluated and 'EXTRA' written with second attempt.
5. In case where no answers are given or answers are found wrong in this Marking Scheme, correct answers may be found and used for valuation purpose.

निर्देश :

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प स्वीकारें। परीक्षार्थी यदि केवल विकल्प-संख्या भी लिखें तो स्वीकार्य है।
2. पाठ्यपुस्तक के प्रश्नों के उत्तर केवल संकेतात्मक हैं। परीक्षार्थी इनसे भिन्न उत्तर भी दे सकता है। उसकी पर्याप्तता उपयुक्तता और मौलिकता विचार कर अंक दें।
3. खंड घ में परीक्षार्थी की अभिव्यक्ति और मौलिकता अपेक्षित है। भाषिक अशुद्धियों पर एक-एक अंक से अधिक न काटा जाए।

खंड - क

(1)	(क) - (iii)	(ख) - (ii)	(ग) - (iv)	(घ) - (ii)	(ङ) - (i)	5
(2)	(क) - (i)	(ख) - (iii)	(ग) - (iii)	(घ) - (i)	(ङ) - (ii)	5
(3)	(क) - (ii)	(ख) - (iii)	(ग) - (iii)	(घ) - (ii)	(ङ) - (ii)	5
(4)	(क) - (ii)	(ख) - (iii)	(ग) - (ii)	(घ) - (iii)	(ङ) - (iv)	5

खंड - ख

(5)	(क) - (i)	(ख) - (ii)	(ग) - (iii)	(घ) - (ii)	1x4=4
(6)	(क) - (ii)	(ख) - (i)	(ग) - (ii)	(घ) - (ii)	1x4=4
(7)	(क) - (iii)	(ख) - (ii)	(ग) - (i)	(घ) - (i)	1x4=4
(8)	(क) - (iii)	(ख) - (iii)	(ग) - (i)	(घ) - (ii)	1x4=4
(9)	(क) - (i)	(ख) - (ii)	(ग) - (ii)	(घ) - (iii)	5

खंड - ग

(10)	(क) (i)	(ख) (i)	(ग) (ii)	(घ) (i)	(ङ) (ii)	5

अथवा

(क) (ii) (ख) (iv) (ग) (ii) (घ) (ii) (ङ) (iii)

(11) (क) हमारे विचार से सत्य, अहिंसा, शांति, समता, परोपकार व भाईचारे की भावना, ऐसे शाश्वत मूल्य हैं जो व्यक्ति में आदर्शों के साथ व्यावहारिकता को भी लाते हैं। **2½+2½=5**

इन मूल्यों की वर्तमान समय में प्रांसगिकता बनी हुई है। इनका महत्व हमेशा बना रहेगा। मूल्यों में व्यावहारिकता के नाम पर बदलाव नहीं लाया जा सकता। ये मूल्य ही आदर्श समाज की कल्पना को साकार करते हैं। व्यावहारिकता का पुट तो समाज को गिराता चला जा रहा है।

(ख) सामान्य व्यक्ति का अपराध तो दंडनीय हो जाता है जबकि उच्च वर्ग द्वारा किया गया अपराध अनदेखा कर दिया जाता है। उस पर लीपापोती कर दबा दिया जाता है। पुलिस का व्यवहार आम जनता के प्रति उपेक्षापूर्ण होता है। आम व्यक्ति को अभी न्याय नहीं मिल पाता। पुलिस अधिकारी हमेशा अपने हित की परवाह करते हैं। वर्तमान पुलिस व्यवस्था अवसरवादी है। इसलिए भ्रष्टाचार का बोलबाला है।

कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली अपने प्रियजनों के साथ आज़मगढ़ चला गया और आज़मगढ़ के शासकों ने उसे घागरा तक सुरक्षित पहुँचा दिया।

(12) 'प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट' एक ऐसा व्यक्तित्व है, जिसमें आदर्श एवं व्यवहार का संतुलन होता है, लेकिन यदि आज के समाज को ध्यान में रखें तो इस शब्द में व्यावहारिकता को इतना महत्व दे दिया जाता है कि उसकी आदर्श स्थिति भी व्यावहारिकता के साँचे में ढल जाती है। आदर्श आदर्श नहीं रहता, व्यवहार हो जाता है, इससे आदर्श व्यवहार के उस स्तर पर जाकर अपनी गुणवत्ता खो देता है और धीरे-धीरे आदर्श मूल्य व्यवहार के हाथों समाप्त हो जाते हैं। **5**

अथवा

मनुष्य ने अपनी असीमित इच्छाओं की पूर्ति के लिए प्रकृति की ओर अपना मुख कर लिया है और उसने अंधाधुंध वनों की कटाई से लेकर प्रदूषण फैलाने तक के काम बिना कुछ सोचे विचारे शुरु कर दिए हैं। मनुष्य के इन कृत्यों के कारण वातावरण में असंतुलन हो गया है। जैसे हर किसी की सहनशक्ति की एक सीमा होती है, वैसे ही नेचर की सहनशक्ति की भी एक सीमा है, जब यह सीमा पार हो जाती है तो प्रकृति अपने गुस्से का नमूना दिखाती है, कभी भूचाल के रूप, जलजलों के रूप में या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के रूप में। जैसे प्रकृति में मुंबई में एक नमूना दिखा दिया था।

(13) (क) शेख अयाज़ सिंधी भाषा के कवि थे। **1**

(ख) क्योंकि वे किसी घर वाले को बेघर नहीं करना चाहते थे, इसलिए उसे उसके घर कुएँ पर छोड़ने चले गए। **1**

(ग) शेख अयाज़ के पिता बोले कि मैंने एक घरवाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ। तात्पर्य यह है कि उनकी नजरों में एक च्योंटे का भी उतना ही महत्व है जितना किसी दूसरे जीव या मनुष्य का। **1**

अथवा

(I) अंग्रेज सैनिक अधिकारी का। **1**

(II) आसिफ़उद्दौला के भाई का नाम सआदत अली था। अनुरक्षा की भावना के कारण।

(III) सआदत अली वज़ीर अली और आसिफ़उद्दौला का दुश्मन था। आसिफ़ उद्दौला के घर जन्म लेने वाली संतान का नाम वज़ीर अली था।

(IV) वज़ीर अली की पैदाइश होने से सआदत अली के सपने टूट गए, क्योंकि आसिफ़उद्दौला नि:संतान था, इसीलिए सआदत अली का सपना था कि वह अपने भाई के बाद अवध का नवाब बन जाएगा।

(14) (I) 'आत्मत्राण' शब्द का शाब्दिक अर्थ आत्मा के भय निवारण से है जिसका कवि ने स्वयं के लिए प्रयोग किया है क्योंकि इस कविता में वह प्रभु से हर पंक्ति में विपत्ति अथवा दुख के दिनों में निर्भय होकर जीने की प्रार्थना करता है और कठिनाई के दिनों को सहने की भी प्रार्थना करता है। **2+2+1=5**

(II) पौराणिक कथाओं के अनुसार जब राक्षसों ने अपने अत्याचारों से इस धरती को आतंकित कर दिया था तब सभी देवी-देवताओं ने दधीचि ऋषि की सहायता से उनकी हड्डियों से वज्र बनाया जिससे इंद्र ने राक्षसों का अंत किया। इससे जनसाधारण को यह संदेश दिया है कि महान लोगों के त्याग के कारण ही मनुष्य जाति की रक्षा संभव हुई। इसीलिए दूसरों के हित के लिए अपना जीवन समर्पित कर देना चाहिए।

(III) क्योंकि देश पर शत्रु का खतरा मंडरा रहा है, जिससे ज़िंदगी से मौत तक का सफ़र बहुत कम हो गया है, इसीलिए सैनिक देश-वासियों से अपेक्षा रखते हुए मृत्यु से गले मिलने की बात कह रहे हैं, जिसके लिए हमें हमेशा तैयार रहना चाहिए।

(15) क्योंकि वे जिस घर में ब्याही आई थी, वह घर मौलवियों का था। जहाँ नाचने-गाने की अनुमति नहीं थी। मौलवी अनुशासित जीवन व्यतीत करता था। इसीलिए अधिक शोर शराबा उस पसंद नहीं था, लेकिन इफ्फन के पैदा होने पर वह खूब नाची। **3**

अथवा

हेडमास्टर शर्मा जी नरम दिल और उदार व्यक्ति थे। उन्होंने कभी अपने छात्रों को उनकी गलती पर भी कभी मारा-पोटा नहीं। जब वे बहुत गुस्सा होते थे तो जल्दी-जल्दी आँखें झपकते थे और छात्रों के गालों पर उलटे हाथ की एक चपत लगा देते थे। उनकी मार छात्रों को नमकीन पापड़ी जैसी मज़ेदार लगती। वे प्रसन्नचित रहते। वे सौम्य और मधुर स्वभाव के थे। अंग्रेजी विषय बढ़ाते थे।

(16) इस कथन से यह सिद्ध होता है कि हमारे आधे से अधिक साथी राजस्थान या हरियाणा से आकर मंडी में व्यापार या दुकानदारी करने आए परिवारों से थे। जब बहुत छोटे थे तो उनकी बोली कम समझ पाते। उनके कुछ शब्द सुनकर हँसी आने लगती। परंतु खेलते समय सभी एक दूसरे की बात खूब समझ लेते। **2**

(17) **अनुच्छेद**

विषयवस्तु	-	2
प्रस्तुति	-	2
भाषा	-	1

(18) प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएँ - 1

विषयवस्तु - 3

भाषा / प्रस्तुति - 1

- o O o -